चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	2-8-26	4	1-5

एचएयू एबिक का कोहोर्ट-8 लॉन्च • 13 प्रमुख सेक्टरों में मांगे इनोवेटिव आइडियाज़

कृषि स्टार्टअप्स को मिलेगी 25 लाख रुपए तक की ग्रांट, 10 सितंबर तक करें आवेदन

भास्कर न्यूज़ | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर एबिक ने कृषि क्षेत्र में नए प्रयोग और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए कोहोर्ट-8 प्रशिक्षण बैच के तहत आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस कार्यक्रम के जरिए युवाओं, किसानों, शोधार्थियों और उद्यमियों के इनोवेटिव आइडियाज़ को बिजनेस में बदला जाएगा।

योजना के तहत पात्र और चयनित स्टार्टअप्स को आरकेवीवाई-रफ्तार योजना के तहत 25 लाख रुपए तक की अनुदान सहायता दी जाएगी।

योजना के इच्छुक आवेदक 10 सितंबर 2026 तक एचएयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पत्रकारों से बातचीत करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज

1 महीने की मुफ्त इनक्यूबेशन ट्रेनिंग

आइडिया से एंटरप्राइज तक की मिलेगी पूरी मेंटरशिप हकृवि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि एबिक सिर्फ वित्तीय सहायता देने वाला केंद्र नहीं है, बल्कि यह आइडिया से लेकर बिजनेस खड़ा करने तक हर कदम पर मार्गदर्शन करता है। चयनित प्रतिभागियों को 1 महीने की मुफ्त इनक्यूबेशन ट्रेनिंग, बिजनेस मॉडल तैयार करने, कंपनी रजिस्ट्रेशन, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग और निवेशकों से जोड़ने में पूरी मदद दी जाएगी। हर बड़ा बिजनेस एक छोटे से आइडिया से शुरू होता है। यदि किसी के पास ऐसा समाधान है जो खेती की लागत घटाए, किसानों की आय बढ़ाए या कृषि को आधुनिक बनाए, तो किस्मत बदलने का सही मौका है।

जानिए, एबिक की अब तक की उपलब्धियां

- **बेस्ट इनक्यूबेशन सेंटर:** 2021 में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ इनक्यूबेशन सेंटर का पुरस्कार मिला।
- **वित्तीय मदद:** 77 स्टार्टअप्स को सरकार से 10 करोड़ की ग्रांट दिलवाई।
- **टर्नओवर व रोजगार:** स्टार्टअप्स ने 20 करोड़ से अधिक का बिजनेस किया और 1500 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिला।
- **किसान लाभ:** 1 लाख से अधिक किसान इन तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं।
- **पेटेंट:** 50 स्टार्टअप्स के इंटेलेक्टुअल प्रॉपर्टी राइट्स दाखिल कराए गए।

जानें, योजना की बड़ी बातें

- **अनुदान राशि:** 25 लाख तक की सहायता।
- **अंतिम तिथि:** 10 सितंबर 2026 केवल ऑनलाइन आवेदन
- **ये कर सकते हैं आवेदन:** हरियाणा के किसान, युवा उद्यमी, छात्र, शोधार्थी व स्टार्टअप्स।
- **आयु/योग्यता की शर्त:** कोई सीमा नहीं, केवल नया और उपयोगी आइडिया होना जरूरी।
- **यह मिलेंगी सुविधाएं:** 1 महीने की मुफ्त ट्रेनिंग, मेंटरशिप, कंपनी/पेटेंट रजिस्ट्रेशन में मदद और मार्केट एक्सपोजर।

इनसे मांगे आईडिया

स्मार्ट व प्रिसिजन एग्रीकल्चर, एआई आधारित कृषि, ड्रोन व डिजिटल फार्मिंग, सिंचाई प्रबंधन, कृषि यंत्रीकरण, डेयरी व पशुपालन, मत्स्य पालन, फूड प्रोसेसिंग, वेस्ट-टू-वेल्थ तकनीक, पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट, जैविक व प्राकृतिक खेती, जलवायु अनुकूल कृषि और बायो प्रॉडक्ट्स जैसे विषयों पर आवेदन मांगे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	2-8-26	5	2-5

एबिक वित्तीय सहायता देने वाला केंद्र ही नहीं, नवाचारकर्ताओं का करता मार्गदर्शन

हकृवि के एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने कोहोर्ट-8 के लिए आवेदन किए आमंत्रित

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) द्वारा कृषि क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कोहोर्ट-8 (प्रशिक्षण बैच) के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। एबिक का उद्देश्य युवाओं, किसानों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा उद्यमियों के अभिनव विचारों को समृद्ध कृषि-आधारित स्टार्टअप में विकसित करने के लिए आवश्यक तकनीकी, व्यावसायिक एवं मार्गदर्शी सहयोग उपलब्ध कराना है।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि एबिक केवल वित्तीय सहायता प्रदान करने वाला केन्द्र नहीं है, बल्कि यह 'आइडिया से एंटरप्राइज' तक की संपूर्ण यात्रा में नवाचारकर्ताओं का मार्गदर्शन करता है। चयनित स्टार्टअप्स को तकनीकी एवं व्यावसायिक मेंटरशिप, एक माह का निश्शुल्क इन्क्यूबेशन एवं उद्यमिता प्रशिक्षण, बिजनेस माडल एवं डीपीआर तैयार करने में सहायता, कंपनी पंजीकरण, स्टार्टअप इंडिया एवं स्टार्टअप हरियाणा पंजीकरण, पेटेंट एवं बौद्धिक संपदा अधिकार (आइपीआर) संबंधी मार्गदर्शन, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, निवेशकों एवं उद्योगों से संपर्क तथा बाजार उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न प्रदर्शनियों में स्टाल उपलब्ध कराई जाती है।

उन्होंने बताया कि आरकेवीवाई-रफ्तार योजना के अंतर्गत पात्र स्टार्टअप्स को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 25 लाख तक अनुदान प्राप्त करने का अवसर भी मिलता है।

हकृवि के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज पत्रकारों से बातचीत करते हुए • जागरण

इन क्षेत्रों में आमंत्रित किए गए हैं नवाचार

एबिक की तरफ से स्मार्ट एवं प्रिसिजन कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कृषि, ड्रोन एवं डिजिटल कृषि, सिंचाई एवं जल प्रबंधन, कृषि यंत्रीकरण, डेयरी एवं पशुपालन, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण एवं वैल्यू एडिशन, वेस्ट-टू-वेल्थ तकनीक, सप्लाई चेन एवं पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन, जैविक एवं प्राकृतिक कृषि तथा कृषि इनपुट एवं जैव उत्पाद जैसे क्षेत्रों में अभिनव विचार आमंत्रित किए गए हैं।

आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 सितंबर

एबिक कोहोर्ट-8 के लिए आवेदन केवल आनलाइन स्वीकार किए जा रहे हैं जिसकी अंतिम तिथि 10 सितंबर है। आवेदन लिंक एवं विस्तृत दिशा-निर्देश विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

एबिक की उपलब्धियां

वर्ष 2019 में स्थापना के बाद से एबिक ने कृषि नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। 12 नवंबर 2021 को एबिक को केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा 'बेस्ट इन्क्यूबेशन सेंटर अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	2-8-26	5	3-5

कृषि नवाचार को बढ़ावा, चयनित स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण की पहल

एचएयू ने स्टार्टअप कोहोर्ट-8 के लिए आवेदन मांगे, 25 लाख तक अनुदान का अवसर

हिसार, 1 अगस्त (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) ने कृषि क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए स्टार्टअप कोहोर्ट-8 के तहत आवेदन आमंत्रित किए हैं।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि चयनित स्टार्टअप्स को एक माह का निशुल्क इनक्यूबेशन एवं उद्यमिता प्रशिक्षण, विशेषज्ञों की मेंटरशिप, बिजनेस मॉडल और डीपीआर तैयार करने में सहायता, कंपनी पंजीकरण, स्टार्टअप इंडिया और स्टार्टअप हरियाणा के तहत पंजीकरण, पेटेंट एवं बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) संबंधी मार्गदर्शन, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग,

हिसार में प्रेसवार्ता करते हकृवि कुलपति प्रो. बलदेव काम्बोज व अन्य। -हप

निवेशकों और उद्योगों से संपर्क तथा विभिन्न प्रदर्शनियों में उत्पाद प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि आरकेवीवाई-रफ्तार योजना के तहत पात्र स्टार्टअप्स को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 25 लाख रुपये तक अनुदान प्राप्त करने का अवसर भी मिलेगा। एबिक ने स्मार्ट एवं प्रिसिजन कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित खेती, ड्रोन तकनीक, सिंचाई, कृषि यंत्रीकरण, डेयरी, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण, जैविक खेती और जलवायु अनुकूल कृषि सहित कई क्षेत्रों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 10 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि वर्ष 2019 में स्थापना के बाद एबिक ने 77 स्टार्टअप्स को करीब 10 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता दिलाई है। इन स्टार्टअप्स ने 20 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है, 1,500 से ज्यादा रोजगार सृजित किए हैं और एक लाख से अधिक किसान उनकी तकनीकों का लाभ उठा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	2-8-26	3	3-6

कृषि स्टार्टअप्स को मिलेगा 25 लाख तक का अनुदान

हकृवि के एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने कोहोर्ट-8 के लिए आवेदन किए आमंत्रित

हिसार, 1 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) द्वारा कृषि क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कोहोर्ट-8 (प्रशिक्षण बैच) के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। एबिक का उद्देश्य युवाओं, किसानों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा उद्यमियों के अभिनव विचारों को समृद्ध कृषि-आधारित स्टार्टअप में विकसित करने के लिए आवश्यक तकनीकी, व्यावसायिक एवं मार्गदर्शी सहयोग उपलब्ध कराना है। एबिक कोहोर्ट-8 के लिए आवेदन केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जा रहे हैं, जिसकी अंतिम तिथि 10 सितंबर है।

कुलपति प्रो.बी.आर.काम्बोज पत्रकारों के साथ बातचीत कर जानकारी देते हुए।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए बताया कि एबिक केवल वित्तीय सहायता प्रदान करने वाला केन्द्र नहीं है, बल्कि यह 'आइडिया से एंटरप्राइज' तक की संपूर्ण यात्रा में नवाचारकर्ताओं का मार्गदर्शन करता है। चयनित स्टार्टअप्स को तकनीकी एवं व्यावसायिक मेंटरशिप, एक माह का निःशुल्क इनक्यूबेशन एवं उद्यमिता प्रशिक्षण, बिजनेस मॉडल एवं डी.पी.आर. तैयार करने में सहायता, कंपनी पंजीकरण, स्टार्टअप इंडिया एवं स्टार्टअप हरियाणा पंजीकरण, पेटेंट एवं बौद्धिक संपदा अधिकार संबंधी मार्गदर्शन, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, निवेशकों एवं उद्योगों से संपर्क तथा बाजार उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न प्रदर्शनियों में स्टॉल उपलब्ध कराई जाती है।

कुलपति प्रो.काम्बोज ने बताया कि आरकेवीबाई-रफ्तार योजना के अंतर्गत पात्र एवं चयनित स्टार्टअप्स को निर्धारित प्रक्रिया एवं पात्रता के अनुसार 25 लाख रुपए तक की अनुदान सहायता प्राप्त करने का अवसर भी मिलता है। कुलपति ने बताया कि अब तक 77 स्टार्टअप्स को सरकार द्वारा लगभग 10 करोड़ रुपए की अनुदान राशि स्वीकृत करवाई गई है। इन स्टार्टअप्स ने गत छह वर्षों में सामूहिक रूप से 20 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार किया है। स्टार्टअप्स के माध्यम से 1,500 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

इन क्षेत्रों में आमंत्रित किए गए हैं नवाचार

एबिक द्वारा स्मार्ट एवं प्रिसिजन कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कृषि, ड्रोन एवं डिजिटल कृषि, सिंचाई एवं जल प्रबंधन, कृषि यंत्रीकरण, डेयरी एवं पशुपालन, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण एवं वैल्यू एडिशन, वेस्ट-टू-वेल्थ तकनीक, सप्लाई चेन एवं पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन, जैविक एवं प्राकृतिक कृषि, जलवायु अनुकूल कृषि तथा कृषि इनपुट एवं जैव उत्पाद जैसे क्षेत्रों में अभिनव विचार आमंत्रित किए गए हैं।

कौन कर सकता है आवेदन

एबिक कोहोर्ट-8 के लिए हरियाणा के स्टार्टअप्स, युवा उद्यमी, किसान, विद्यार्थी, शोधार्थी एवं नवाचारकर्ता आवेदन कर सकते हैं। आवेदक के पास कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से जुड़ा कोई नया विचार, उत्पाद, प्रक्रिया अथवा तकनीक होना चाहिए। आवेदन के लिए आयु, विशेष शैक्षणिक योग्यता अथवा किसी विशेष श्रेणी का बंधन नहीं है। यदि किसी आवेदक के पास कृषि क्षेत्र की समस्या का समाधान करने वाला नया विचार है, तो वह आवेदन कर सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	2-8-26	9	2-8

एचएयू देगा नई पहचान | स्टार्टअप्स को 25 लाख तक ग्रांट के साथ मिलेगा विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

■ नया आइडिया देगा सुनहरा मौका

■ एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने कोहोर्ट-8 के लिए मांगे आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

खेती-किसानी से जुड़े नए विचारों को सफल व्यवसाय में बदलने की दिशा में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) एक बार फिर नवाचारकर्ताओं के लिए बड़ा अवसर लेकर आया है। एबिक ने कोहोर्ट-8 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस कार्यक्रम के तहत चयनित स्टार्टअप्स को 25 लाख रुपये तक की अनुदान सहायता, अनुभवी विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, तकनीकी सहयोग और बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि उनके अभिनव विचार व्यावसायिक सफलता में बदल सकें।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि एबिक केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने वाला केंद्र नहीं, बल्कि नवाचारों को उद्योग का स्वरूप देने वाला सशक्त प्लेटफॉर्म है। यहां स्टार्टअप्स को विचार की प्रारंभिक अवधारणा से लेकर उत्पाद के व्यावसायीकरण तक हर चरण में सहयोग दिया जाता है। उन्होंने कहा कि आज कृषि क्षेत्र में तकनीक आधारित नवाचारों की सबसे अधिक आवश्यकता है और युवाओं के पास ऐसे अनेक विचार हैं, जिन्हें सही मार्गदर्शन और संसाधन मिलें तो वे देश की कृषि व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने बताया कि चयनित स्टार्टअप्स को तकनीकी एवं व्यावसायिक मेंटरशिप, एक माह का निःशुल्क इनक्यूबेशन और उद्यमिता प्रशिक्षण, बिजनेस मॉडल एवं विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने में सहयोग, कंपनी पंजीकरण, स्टार्टअप इंडिया एवं स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकरण, पेटेंट एवं बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) संबंधी सहायता, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, निवेशकों और उद्योग जगत से नेटवर्किंग तथा राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। प्रो. काम्बोज ने कहा कि आरकेवीवाई-रफ्तार योजना के अंतर्गत पात्र स्टार्टअप्स को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 25 लाख रुपये तक की ग्रांट भी उपलब्ध कराई जाती है।

इन क्षेत्रों के नवाचारों को प्रोत्साहन

एबिक ने स्मार्ट एवं प्रिसिजन फार्मिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कृषि, ड्रोन तकनीक, डिजिटल एग्रीकल्चर, सिंचाई एवं जल प्रबंधन, कृषि यंत्रीकरण, डेयरी एवं पशुपालन, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण एवं वैल्यू एडिशन, वेस्ट-टू-वेल्थ तकनीक, सप्लाई चेन एवं पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, जलवायु अनुकूल कृषि तथा कृषि इनपुट एवं जैव उत्पादों से जुड़े नवाचारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।

कोई भी नवाचारकर्ता कर सकेगा आवेदन

कोहोर्ट-8 में हरियाणा के स्टार्टअप्स, किसान, युवा उद्यमी, विद्यार्थी, शोधार्थी और नवाचारकर्ता आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए किसी विशेष आयु या शैक्षणिक योग्यता की बाध्यता नहीं है। यदि आवेदक के पास कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से जुड़ा कोई उपयोगी विचार, उत्पाद, प्रक्रिया या तकनीक है तो वह आवेदन का पात्र होगा। एबिक कोहोर्ट-8 के लिए आवेदन केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 10 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

अब तक 77 स्टार्टअप्स को 10 करोड़ रुपये अनुदान उपलब्ध करवाया

वर्ष 2019 में स्थापित एबिक आज देश के अग्रणी कृषि इनक्यूबेशन केंद्रों में शामिल है। वर्ष 2021 में इसे 'बेस्ट इन्क्यूबेशन सेंटर अवार्ड' तथा 2022 में हरियाणा सरकार द्वारा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। अब तक 77 स्टार्टअप्स को लगभग 10 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है। इन स्टार्टअप्स ने छह वर्षों में 20 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है और 1,500 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान किया है। साथ ही एक लाख से अधिक किसान इन स्टार्टअप्स की तकनीकों का लाभ उठाकर अपनी खेती को अधिक आधुनिक और लाभकारी बना रहे हैं। एबिक ने 100 से अधिक वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों, निवेशकों और मेंटर्स का मजबूत नेटवर्क तैयार किया है, जो स्टार्टअप्स को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। इसके अलावा अब तक 50 स्टार्टअप्स के आईपीआर (बौद्धिक संपदा अधिकार) आवेदन दाखिल अथवा प्रकाशित किए जा चुके हैं, जो एबिक की नवाचारों को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	2.8.26	2	6-7

एचएयू के एबिक में कोहोर्ट 8 के लिए शुरू हुए आवेदन

स्टार्टअप्स को मिलेगा 25 लाख तक अनुदान

माई सिटी रिपोर्टर

कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए मांगे आवेदन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) ने कृषि क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कोहोर्ट-8 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। चयनित पात्र स्टार्टअप्स को आरकेवीवाई-रफ्तार योजना के तहत 25 लाख रुपये तक की अनुदान सहायता मिल सकेगी।

पत्रकारवार्ता के दौरान शनिवार को कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि एबिक नवाचारकर्ताओं को केवल वित्तीय सहायता ही नहीं देता बल्कि उन्हें आइडिया से एंटरप्राइज तक पहुंचाने के लिए तकनीकी और व्यावसायिक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराता है। चयनित स्टार्टअप्स को एक माह का निशुल्क इनक्यूबेशन एवं उद्यमिता प्रशिक्षण, बिजनेस मॉडल व डीपीआर तैयार करने में सहायता, कंपनी पंजीकरण, पेटेंट और बौद्धिक संपदा अधिकार संबंधी मार्गदर्शन दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि स्टार्टअप्स को ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, निवेशकों एवं उद्योगों से संपर्क और बाजार उपलब्ध कराने के लिए प्रदर्शनियों में स्टॉल की सुविधा भी दी जाएगी। इससे नवाचारकर्ताओं को अपने उत्पाद, तकनीक या विचार को व्यावसायिक स्तर पर विकसित करने में मदद मिलेगी।

एबिक ने स्मार्ट एवं प्रिसिजन कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कृषि, ड्रोन एवं डिजिटल कृषि, सिंचाई एवं जल प्रबंधन, जैविक एवं प्राकृतिक कृषि, जलवायु अनुकूल कृषि तथा कृषि इनपुट एवं जैव उत्पाद जैसे क्षेत्रों में नए विचार आमंत्रित किए हैं।

कौन कर सकता है आवेदन

हरियाणा के स्टार्टअप्स, युवा उद्यमी, किसान, विद्यार्थी, शोधार्थी और नवाचारकर्ता आवेदन कर सकते हैं। आवेदक के पास कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से जुड़ा नया विचार, उत्पाद, प्रक्रिया या तकनीक होना चाहिए। आवेदन के लिए आयु, शैक्षणिक योग्यता या किसी विशेष श्रेणी की बाध्यता नहीं है।आवेदन की अंतिम तिथि 10 सितंबर 2026 है। इच्छुक आवेदक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन लिंक और विस्तृत दिशा-निर्देश चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

एबिक की उपलब्धियां

वर्ष 2019 में स्थापना के बाद एबिक ने कृषि नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। 12 नवंबर 2021 को एबिक को केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बेस्ट इन्क्यूबेशन सेंटर अवार्ड से सम्मानित किया था। 29 मार्च 2022 को हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एबिक को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया था। एबिक के माध्यम से 77 स्टार्टअप्स को करीब 10 करोड़ रुपये की अनुदान राशि स्वीकृत करवाई गई है। इन स्टार्टअप्स ने पिछले छह वर्षों में 20 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है और 1500 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किए हैं। इनके माध्यम से एक लाख से अधिक किसान कृषि तकनीकों का लाभ उठा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	2·8·26	6	1-4

कृषि नवाचारों को स्टार्टअप में बदलने का सुनहरा अवसर; पात्र स्टार्टअप्स को 25 लाख रुपए तक की अनुदान सहायता

पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

हिसार, 1 अगस्त (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) द्वारा कृषि क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कोहोर्ट-8 (प्रशिक्षण बैच) के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। एबिक का उद्देश्य युवाओं, किसानों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा उद्यमियों के अभिनव विचारों को समृद्ध कृषि-आधारित स्टार्टअप में विकसित करने के लिए आवश्यक तकनीकी, व्यावसायिक एवं मार्गदर्शी सहयोग उपलब्ध कराना है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए बताया कि एबिक केवल वित्तीय सहायता प्रदान करने वाला केन्द्र नहीं है, बल्कि यह 'आइडिया से एंटरप्राइज' तक की संपूर्ण यात्रा में नवाचारकर्ताओं का मार्गदर्शन करता है। चयनित स्टार्टअप्स को तकनीकी एवं व्यावसायिक मेंटरशिप, एक माह का निशुल्क इनक्यूबेशन एवं उद्यमिता प्रशिक्षण, बिजनेस मॉडल एवं डीपीआर तैयार करने में सहायता, कंपनी पंजीकरण, स्टार्टअप इंडिया एवं स्टार्टअप हरियाणा पंजीकरण, पेटेंट एवं बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) संबंधी मार्गदर्शन, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, निवेशकों एवं उद्योगों से संपर्क तथा बाजार उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न प्रदर्शनियों में स्टॉल उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बताया कि आरकेवीवाई-रफ्तार योजना के अंतर्गत पात्र एवं चयनित स्टार्टअप्स को निर्धारित प्रक्रिया एवं पात्रता के अनुसार 25 लाख रूपए तक की अनुदान सहायता प्राप्त करने का अवसर भी मिलता है। इससे नवाचारकर्ताओं को अपने विचार, उत्पाद अथवा तकनीक को व्यावसायिक स्तर पर विकसित करने में मदद मिलती है। उन्होंने हरियाणा के युवाओं, किसानों, विद्यार्थियों एवं उद्यमियों से आह्वान किया कि यदि उनके पास कृषि क्षेत्र की किसी समस्या का नवीन समाधान, उत्पाद या तकनीक है तो वे एबिक के कोहोर्ट-8 में अवश्य आवेदन करें। एबिक कोहोर्ट-8 के लिए हरियाणा राज्य के स्टार्टअप्स, युवा उद्यमी, किसान, विद्यार्थी, शोधार्थी एवं नवाचारकर्ता आवेदन कर सकते हैं। आवेदक के पास कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से जुड़ा कोई नया विचार, उत्पाद, प्रक्रिया अथवा तकनीक होना चाहिए। आवेदन के लिए आयु, विशेष शैक्षणिक योग्यता अथवा किसी विशेष श्रेणी का बंधन नहीं है। यदि किसी आवेदक के पास कृषि क्षेत्र की समस्या का समाधान करने वाला नया विचार है, तो वह आवेदन कर सकता है। एबिक कोहोर्ट-8 के लिए आवेदन केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जा रहे हैं जिसकी अंतिम तिथि 10 सितंबर 2026 है। आवेदन लिंक एवं विस्तृत दिशा-निर्देश चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	02.08.2026	-----	----

हकृवि के एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने कोहोर्ट-8 के लिए आवेदन मांगे

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 2 अगस्त : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) ने कृषि क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कोहोर्ट-8 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। चयनित स्टार्टअप्स को आरकेवीवाई-रफ्तार योजना के तहत 25 लाख रुपये तक की अनुदान सहायता के साथ तकनीकी एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि एबिक नवाचारकर्ताओं को आइडिया से स्टार्टअप तक की पूरी प्रक्रिया में सहयोग देता है। चयनित प्रतिभागियों को एक माह का निःशुल्क इनक्यूबेशन, उद्यमिता प्रशिक्षण, बिजनेस मॉडल तैयार करने, कंपनी पंजीकरण, स्टार्टअप इंडिया व स्टार्टअप हरियाणा रजिस्ट्रेशन, पेटेंट, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग तथा निवेशकों और बाजार से जोड़ने जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने बताया कि स्मार्ट एवं प्रिसिजन कृषि, ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कृषि, सिंचाई, कृषि यंत्रीकरण, डेयरी, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण, जैविक खेती, जलवायु अनुकूल कृषि और जैव उत्पाद जैसे क्षेत्रों में नवाचार आमंत्रित किए गए हैं। हरियाणा के किसान, विद्यार्थी, शोधार्थी, युवा उद्यमी और स्टार्टअप्स 10 सितंबर 2026 तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कुलपति ने बताया कि वर्ष 2019 में स्थापित एबिक अब तक 77 स्टार्टअप्स को लगभग 10 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता दिलाने में सफल रहा है। इन स्टार्टअप्स ने 20 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है, 1,500 से अधिक रोजगार सृजित किए हैं और एक लाख से अधिक किसानों तक अपनी तकनीक पहुंचाई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	2-8-26	9	1-5

मिशन एडमिशन

स्नातक और स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम घोषित

बीएससी एग्रीकल्चर में अरनव धवन रहे टॉपर, वेबसाइट पर आज से देख सकेंगे रिजल्ट, ऑनलाइन काउंसलिंग कल से

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा के कृषि शिक्षा के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में शामिल हिसार स्थित एचएयू ने

वर्ष 2026-27 के विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। परिणाम जारी होने के साथ ही हजारों अभ्यर्थियों का इंतजार समाप्त हो गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दो अगस्त से अभ्यर्थी अपना परिणाम ऑनलाइन देख सकेंगे, जबकि तीन अगस्त से ऑनलाइन काउंसलिंग एवं दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने बताया कि 12, 19 और 25 जुलाई को विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की गई थीं।

पारदर्शी एवं समयबद्ध मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद सभी परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। उन्होंने सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हकृवि गुणवत्तापूर्ण कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के माध्यम से विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अभ्यर्थियों से निर्धारित समयावधि में काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी करने की अपील भी की।

ये रहे टॉप थ्री

बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम में अरनव धवन ने 95 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। कुलीन 93.5 अंकों के साथ दूसरे तथा प्रवेश 92.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर (2+4 वर्षीय) पाठ्यक्रम में निश्चय कुमार ने 88 अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया। दुष्यंत 87 अंकों के साथ दूसरे और संस्कार बेनीवाल 85 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

अन्य पाठ्यक्रमों के टॉपर भी घोषित

विश्वविद्यालय ने अन्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के टॉपर्स की सूची भी जारी की है। बीएससी (ऑनर्स) कम्युनिटी साइंस में दीपांशु (88 अंक), बीएफएससी में विहान वर्मा (78.5 अंक), बीएससी (ऑनर्स) फिजिकल साइंस में मासूम (71 अंक), बीएससी (ऑनर्स) लाइफ साइंस में मानवी (91.5 अंक), एमएससी एग्रीकल्चर में निकिता मलिक (90 अंक), एमटेक में प्रतीक (74 अंक), एमएससी कम्युनिटी साइंस में सोनिया रानी (70 अंक), एमएफएससी में कमलजीत (88 अंक), पीजी मेडिकल में स्वीटी (75 अंक), पीजी नॉन-मेडिकल में अमन (53 अंक), पीजी सोशियोलॉजी में नितीन सहारण (84 अंक) तथा पीजी मैथेमेटिक्स में निकिता (75 अंक) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि अभ्यर्थी 2 अगस्त से विश्वविद्यालय की वेबसाइट **admissions.hau.ac.in** एवं **hau.ac.in** पर अपने परिणाम देख सकेंगे। इसके बाद तीन अगस्त से ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होगी। अभ्यर्थियों को अपने लॉगिन पोर्टल पर पंजीकरण कर आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	2-8-26	2	1-3

Agri varsity declares entrance exam results; online counselling from Aug 3

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, AUGUST 1
Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) has declared results of the entrance examinations conducted for admission to various undergraduate and postgraduate programmes in the University. The entrance examinations were held on July 12, 19 and 25.

Sharing the information, Vice-Chancellor Prof Baldev Raj Kamboj informed that Arnav Dhawan secured the first position with 95 marks, followed by Kulin with 93.5 marks and Pravesh with 92.5 marks in the BSc (Honours) Agriculture four-year programme.

In the BSc (Honours) Agriculture (2+4)-year programme, Nishchay Kumar topped with 88 marks, while Dushyant secured the second position with 87 marks and Sanskar Beniwal came third with 85 marks.

Among other programmes, Deepanshu topped the BSc (Hons) Community Science four-year course with 88 marks, Vihaan Verma secured the highest marks in the Bachelor of Fisheries Science (BFSc) four-year programme with 78.5 marks, Masoom topped the BSc (Hons) Physical Science four-year course with 71 marks, and Manvi secured the first position in the BSc (Hons) Life Science four-year programme with 91.5 marks. In the postgraduate programmes, Nikita Malik topped MSc Agriculture with 90 marks, Prateek secured first position in MTech with 74 marks, Sonia Rani topped MSc Community Science with 70 marks, Kamaljeet secured the highest marks in MFSc with 88 marks, Sweety topped PG Medical with 75 marks, Aman secured first position in PG Non-Medical with 53 marks, Nitin Saharan topped PG Sociology with 84 marks and Nikita secured the highest marks in PG Mathematics with 75 marks.

Registrar Dr Pawan Kumar said candidates can check their results from August 2 on the University's admission portal, admissions.hau.ac.in, and official website, hau.ac.in. He said online counselling will start from August 3 and candidates can register on the admission portal and upload the required documents. The detailed schedule for the remaining admission process has also been uploaded on the university website and applicants have been advised to regularly visit the portal for further updates.